'तेउकाइय-सव्वसुहुमवाउकाइय-सव्वसुहुमवणप्फदिकाइय-णिगोद-सुहुमवणप्फदि-सुहुमणिगोदाणं तेसिं पज्जत्तापज्जत्ताणं बादरपुढवीकाइय-बादरआउकाइयाणं तेसिमपज्जत्ताणं बादरवणप्फदि-बादरणिगोदाणं तेसिं पज्जत्तापज्जत्ताणं बादर-वणप्फदिपत्तेयसरीराणं तेसिमपज्जत्ताणं खेत्तभंगो । बादरपुढवीकाइय-बादरआउकाइय-बादरवणप्फदिपत्तेयसरीरपज्जत्ताणं पंचिंदियअपज्जत्तभंगो । तेउकाइय-वाउकाइयाणं एइंदियभंगो । बादरतेउकाइयाणं ओरालियसंघादणकदीए खेत्तभंगो । सेसपदाणं तिरिक्खभंगो । बादरतेउकाइयपज्जत्ताणं पंचिंदियतिरिक्खभंगो । बादरवाउकाइयाणं बादरएइंदियभंगो । बादरवाउकाइयपज्जत्ताणं ओरालियसंघादणकदीए लोगस्स संखेज्जदिभागो । ओरालियपरिसादणकदीए-वेउव्वियतिण्णिपदाणं तिरिक्खभंगो । ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए तेजा कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए लोगस्स संखेज्जदिभागो सव्वलोगो वा । बादरवाउकाइयअपज्जत्ताणं बादरेइंदियअपज्जत्तभंगो । तसकाइयतिण्णिपदाणं पंचिंदियतिगभंगो ,'

'पंचमणजोगि-पंचवचिजोगीणं ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए च लोगस्स असंखेज्जदिभागो

< सब सूक्ष्म तेजकायिक, सर्व सूक्ष्म वायुकायिक, सर्व सूक्ष्म वनस्पतिकायिक, निगोद जीव, सूक्ष्म वनस्पतिकायिक, सूक्ष्म निगोद जीव, उनके पर्याप्त-अपर्याप्त, बादर पृथिवीकायिक, बादर जलकायिक, उनके अपर्याप्त, बादर वनस्पति, बादर निगोद, उनके पर्याप्त व अपर्याप्त, बादर वनस्पतिकायिक प्रत्येक शरीर तथा उनके अपर्याप्त जीवोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । बादर पृथिवीकायिक, बादर जलकायिक व बादर वनस्पतिकायिक प्रत्येकशरीर पर्याप्त जीवोंकी प्ररूपणा पंचेन्द्रिय अपर्याप्तोंके समान है । तेजकायिक और वायुकायिक जीवोंकी प्ररूपणा एकेन्द्रियोंके समान है । बादर तेजकायिक जीवोंमें औदारिकशरीकी संघातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । शेष पदोंकी प्ररूपणा तिर्यंचोके समान है । बादर तेजकायिक पर्याप्त जीवोंकी प्ररूपणा पंचेन्द्रिय तिर्यंचोके समान है । बादर वायुकायिक जीवोंकी प्ररूपणा बादर एकेन्द्रिय जीवोके समान है । बादर वायुकायिक पर्याप्त जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृति युक्त जीवों द्वारा लोकका संख्यातवां भाग स्पर्श किया गया है । औदारिकशरीरकी परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरके तीनों पद युक्त जीवोंकी प्ररूपणा तिर्यंचोंके समान है ।

औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृति तथा तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा लोकका संख्यातवां भाग अथवा सर्व लोक स्पर्श किया गया है । बादर वायुकायिक अपर्याप्त जीवोंकी प्ररूपणा बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्त जीवोंके समान है । तीन त्रसकायिक जीवोंमें तीनों पदोंकी प्ररूपणा तीनों पंचेन्द्रियोंके समान है । >

< पांच मनयोगी और पांच वचनयोगी जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघातन- >

कदिअणियोगद्दारे करणकदिपरूवणा

ʿसव्वलोगो वा । एवं ओरालिय वेउव्वियपरिसादकदीए वि । वेउव्विय-तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए लोगस्स असंखेज्जदिभागो अट्ठचोद्दसभागा देसूणा सव्वलोगो वा । आहारदोण्णिपदाणं खेत्तभंगो । कायजोगीणमोघो । णवरि तेजा-कम्मइयपरिसादणं णत्थि । ओरालियकायजोगीसु ओरालिय तेजा-कम्मइयसंघादणपरिसादणकदीए सव्वलोगो । ओरालियपरिसादणकदीए वेउव्वियतिण्णिपदाणं तिरिक्खभंगो । आहारपरिसादणकदीए खेत्तभंगो । ओरालियमिस्सकायजोगीसु अप्पणो तिण्णिपदेहि केवडियं खेत्तं फोसिदं ? सव्वलोगो । वेउव्वियकायजोगीसु अप्पणो तिण्णिपदेहि केवडियं खेत्तं फोसिदं ? अट्ठ-तेरह-चोद्दसभागा वा देसूणा । वेउव्विय मिस्सकायजोगीणं खेत्तभंगो । आहारदुगस्स खेत्तभंगो । कम्मइयकायजोगीणं ओरालियपरिसादणकदीए केवलिभंगो । तेजाकम्मइयसंघादण-परिसादणकीए केवडियं खेत्तं फोसिदं ? सव्वलोगो ।

ʿइत्थिवेदस्स ओरालियसंघादणकदीए खेत्तभंगो । परिसादण-संघादणपरिसादणकदीहि

< परिशातनकृति तथा परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा लोकका असंख्यातवां भाग अथवा सर्व लोक स्पर्श किया गया है । इसी प्रकार औदारिक और वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृति युक्त जीवोंकी भी प्ररूपणा करना चाहिये । वैक्रियिक, तैजस व कार्मण शरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा लोकका असंख्यातवां भाग, कुछ कम आठ बटे चौदह भाग अथवा सर्व लोक स्पर्श किया गया । आहारकशरीरके दो पद युक्त जीवोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । >

< काययोगियोंकी प्ररूपणा ओघके समान है । विशेष इतना है कि इनके तैजस व कार्मणशरीरकी परिशातनकृति नहीं होती । औदारिककाययोगियोंमें औदारिक, तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा सर्व लोक स्पर्श किया गया है ।

औदारिकशरीरकी परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरके तीनों पदयुक्त जीवोंकी प्ररूपणा तिर्यंचोंके समान है । आहारकशरीरकी परिशातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । औदारिकमिश्रकाययोगियोंमें अपने तीनों पद युक्त जीवों द्वारा कितना क्षेत्र स्पर्श किया गया है ? उक्त जीवों द्वारा सर्व लोक स्पर्श किया गया है । वैक्रियिककाययोगियोंमें अपने पदों द्वारा कितना क्षेत्र स्पर्श किया गया है ? उक्त जीवों द्वारा कुछ कम आठ व तेरह बटे चौदह भाग स्पर्श किये गये हैं । वैक्रियिकमिश्रकाययोगियोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । आहारक और आहारकमिश्रकाययोगियोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । कार्मणकाययोगियोंमें औदारिकशरीरकी परिशातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा केवलियोंके समान है । इनमें तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिसंघातनकृति युक्त जीवों द्वारा कितना क्षेत्र स्पर्श किया गया है ? उक्त जीवों द्वारा सर्व लोक स्पर्श किया गया है । >

< स्त्रीवेदियोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । उक्त जीवोंमें औदारिकशरीरकी परिशातनकृति व संघातन- >

छक्खंडागमे वेयणाखंडं

ʻवेउव्वियसंघादण-परिसादणकदीए लोगस्स असंखेज्जदिभागो सव्वलोगो वा । वेउव्विय-तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए अट्ठचोद्दसभागा वा देसूणा सव्वलोगो वा । एवं पुरिसवे-दस्स । णवरि आहारतिण्णिपदा अत्थि । णवुंसयवेदस्स तिरिक्खभंगो । अवगदवेदा ओरालियपरिसादणकदीए तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए केवलिभंगो । ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए तेजा-कम्मइयपरिसादणकदीए खेत्तभंगो । एवमकसाय-केवलणाणि-जहाक्खादसुध्दिसंजद-केवलदंसणि त्ति वत्तव्वं । चत्तारिकसायाणं कायजो-गिभंगो । णवरि केवलिभंगो णत्थि ।ʼ

ʻमदि-सुदअण्णाणीणमप्पप्पणो पदाणमोघो । णवरि ओरालियपरिसादण-कदीए तिरिक्खभंगो । विभंगणाणीसु ओरालियपरिसादण-संघादणपरिसादण-कदीणं वेउव्विय-संघादणपरिसादणकदीणं पंचिंदियतिरिक्खभंगो । वेउव्विय-तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए अट्ठचोद्दसभागा देसूणा सव्व-लोगो वा । आभिणिबोहिय-सुद-ओहिणाणीसु ओरालियसंघादण-आहारतिण्णिपदाणं खेत्तं । ओरालियपरिसादण-संघादणपरिसादणकदीहि वेउव्वियसंघादणकदि-परिसादण-

< परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरकी संघातन व परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा लोकका असंख्यातवां भाग अथवा सर्व लोक स्पर्श किया गया है । वैक्रियिक, तैजस और कार्मण-शरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कुछ कम आठ बटे चौदह भाग अथवा सर्व लोक स्पर्श किया गया है । इसी प्रकार पुरूषवेदी जीवोंके कहना चाहिये । विशेष इतना है कि इनके आहारकशरीरके तीन पद होते हैं । नपुंसकवेदी जीवोंकी प्ररूपणा तिर्यंचोंके समान है । अपगतवेदी जीवोंमें औदारिकशरीरकी परिशातनकृति तथा तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा केवलियोंके समान है । इनमें औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृति तथा तैजस व कार्मण शरीरकी परिशातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । इसी प्रकार अकषाय, केवलज्ञानी, यथाख्यातशुध्दिसंयत और केवलदर्शनी जीवोंके कहना चाहिये । चार कषाय युक्त जीवोंकी प्ररूपणा काययोगियोंके समान है । विशेष इतना है कि उनके केवलिभंग नहीं होता । >

< मति और श्रुत अज्ञानी जीवोंके अपने अपने पदोंकी प्ररूपणा ओघके समान है । विशेष इतना है कि इनके औदारिकशरीरकी परिशातनकृति की प्ररूपणा तिर्यंचोंके समान है । विभंगज्ञानियोंमें औदारिकशरीरकी परिशातन व संघातन-परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरकी संघातन और परिशातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा पंचेन्द्रिय तिर्यंचोंके समान है । वैक्रियिक, तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कुछ कम आठ बटे चौदह भाग अथवा सर्व लोक स्पर्श किया गया है । आभिनिबोधिक, श्रुत व अवधिज्ञानी जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृति तथा आहारकशरीरके तीनों पद युक्त जीवोंकी प्ररूपणा क्षेत्र प्ररूपणाके समान है । इनमें औदारिकशरीरकी परिशातन व संघातन-परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरकी संघातन व परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा >

कदिअणियोगद्दारे करणकदिपरूवणा

‘कदीहि छचोद्दसभागा देसूणा । वेउव्विय-तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए अट्ठचोद्दसभागा वा देसूणा । मणपज्जवणाणीसु अप्पणो सव्वपदाणं खेत्तं । संजदेसु ओरा-लियपरिसादणकदीए तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए केवलिभंगो । सेसपदा खेत्तं । सामाइयछेदोवट्ठावणसुध्दिसंजद-परिहारसुध्दिसंजद-सुहुमसांपराइयसुध्दिसंजदेसु अप्पप्पणो पदा

खेत्तं । संजदासंजदा अप्पप्पणो पदाणं मणपज्जवभंगो । असंजदाणं मदि-अण्णाणिभंगो । चक्खुदंसणीणं पुरिसवेदभंगो । अचक्खुदंसणीणं कोहभंगो । ओहिदंसणीणं ओहिणाणिभंगो ।'

'किण्ण-णील-काउलेस्सिएसु ओरालियसंघादण संघादणपरिसादणकदीए तेजा-कम्मइयसंघादणपरिसादणकदीए सव्वलोगो । ओरालियपरिसादणकदीए वेउव्वियतिण्णि-पदाणं तिरिक्खभंगो । तेउलेस्सिएसु ओरालियसंघादणकदी आहारतिण्णिपदा खेत्तं । ओरालियपरिसादण-संघादण-

< कुछ कम छह बटे चौदह भाग स्पर्श किये गये हैं । वैक्रियिक, तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कुछ कम आठ बटे चौदह भाग स्पर्श किये गये हैं । मन:पर्ययज्ञानियोंमें अपने सब पदोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । >

< संयत जीवोंमें औदारिकशरीरकी परिशातनकृति तथा तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा केवलियोंके समान है । शेष पदोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । सामायिक-छेदोपस्थापनाशुध्दिसंयत, परिहारशुध्दिसंयत और सूक्ष्मसांपरायिकशुध्दिसंयत जीवोंमें अपने अपने पदोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । संयतासंयत जीवोंमें अपने अपने पदोंकी प्ररूपणा मन:पर्ययज्ञानियोंके समान है । असंयत जीवोंकी प्ररूपणा मतिअज्ञानियोंके समान है । >

< चक्षुदर्शनी जीवोंकी प्ररूपणा पुरुषवेदियोंके समान है । अचक्षुदर्शनी जीवोंकी प्ररूपणा क्रोधकषायी जीवोंके समान है । अवधिदर्शनी जीवोंकी प्ररूपणा अवधिज्ञानी जीवोंके समान है । >

< कृष्ण नील व कापोत लेश्यावाले जीवोमें औदारिकशरीरकी संघातन व संघातन-परिशातनकृति तथा तैजस व कार्मणशरीरकी संघातनपरिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा सर्व लोक स्पर्श किया गया है । इनमें औदारिकशरीरकी परिशातनकृति व वैक्रियिकशरीरके तीनों पद युक्त जीवोंकी प्ररूपणा तिर्यंचोके समान है । तेज लेश्यावाले जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृति तथा आहारकशरीरके तीनों पदोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । औदारिकशरीरकी परिशातन व संघातनपरिशातनकृति युक्त जीवों >

'परिसादणकदीहि वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदीहि कवेडियं खेत्तं फोसिदं ? दिवड्ढचोद्दसभागा देसूणा । वेउव्वियसंघादणपरिसादणकदीए तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए अट्ठ-

णवचोद्दसभागा देसूणा । पम्मलेस्साए ओरालियसंघादण-कदी आहारतिगं खेत्तं । ओरालियदोपद-वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदीही केवडियं खेत्तं फोसिदं ? पंचचोद्दसभागा देसूणा । वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदीए तेजा-कम्मइयसंघादण- परिसादणकदीए अट्ठचोद्दसभागा देसूणा । सुक्कलेस्साए ओरालिय-संघादणकदी आहारतिगं खेत्तं । ओरालियपरिसादणकदी ओघो । ओरालिक्संघादण-परिसादणकदीए वेउव्वियतिण्णिपदेहि केवडियं खेत्तं फोसिदं ? छचोद्दसभागा देसूणा । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए छचोद्दसभागा देसूणा केवलिभंगो वा ।

भवसिध्दिया ओघं । अभवसिध्दियाणमसंजदभंगो । सम्मादिट्ठीसु ओरालियसंघादण-

< द्वारा तथा वैक्रियिकशरीरकी संघातन व परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कितना क्षेत्र स्पर्श किया गया है ? कुछ कम डेढ बटे चौदह भाग स्पर्श किया गया है । वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिवाले तथा तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कुछ कम आठ व कुछ कम नौ बटे चौदह भाग स्पर्श किया गया है । पद्मलेश्यावाले जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृति तथा आहारकशरीरके तीनों पदोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । इनमें औदारिकशरीरके दो पद व वैक्रियिकशरीरकी संघातन व परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कितना क्षेत्र स्पर्श किया गया है ? कुछ कम पांच बटे चौदह भाग स्पर्श किया गया है । वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृति तथा तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कुछ कम आठ बटे चौदह भाग स्पर्श किये गये हैं । शुक्ललेश्यावाले जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघतानकृति तथा आहारकशरीरके तीनों पद युक्त जीवोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणके समान है । औदारिकशरीरकी परिशातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा ओघके समान है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरके तीनों पद युक्त जीवों द्वारा कितना क्षेत्र स्पर्श किया गया है ? उक्त जीवों द्वारा कुछ कम छह बटे चौदह भाग स्पर्श किये गये हैं । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कुछ कम छह बटे चौदह भाग स्पर्श किये गये हैं । अथवा इनकी प्ररूपणा केवलियोंके समान है । >

< भव्यसिध्दिक जीवोंकी प्ररूपणा ओघके समान है । अभव्यसिध्दिक जीवोंकी प्ररूपणा असंयत जीवोंके समान है । सम्यग्दृष्टियोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृति, आहारक- >

कदिअणियोगद्दारे करणकदिपरूवणा

ʻकदी आहारतिण्णिपदा तेजा-कम्मइयपरिसादणकदी खेत्तभंगो । ओरालियपरिसादणकदी ओघो । ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदीणं छजोदसमागा देसूणा । वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदीए अट्ठचोद्दसभागा देसूणा । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए अट्ठचोद्दसभागा देसूणा केवलिभंगो वा । खइयसम्मादिट्ठीसु ओरालियसंघादण-संघादणपरिसादणकदी (१ अ-आप्रत्यौ. 'ओरालिय० संघा० संघादणकदी परि०'. काप्रतौ 'ओरालिय० संघादण० परि०' इति पाठः।) वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदी-आहारतिण्णिपदा तेजा-कम्मइयपरिसादणकदीणं खेत्तभंगो । ओरालियपरिसादणकदी ओघो । वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदीए अट्ठचोद्दसभागा देसूणा । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए अट्ठचोद्दसभागा देसूणा केवलिभंगो वा । वेदगसम्मादिट्ठीणं ओहिभंगो । उवसमसम्मादिट्ठि-सम्मामिच्छादिट्ठीसु ओरालिय-परिसादण-संघादणपरिसादणकदीणं वेउव्वियसंघादण-परिसादणकीदणं खेत्तं । वेउव्विय-तेजाॆ

< शरीरके तीनों पद तथा तैजस व कार्मणशरीरकी परिशातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । औदारिकशरीरकी परिशातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा ओघके समान है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरकी संघातन व परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कुछ कम छह बटे चौदह भाग क्षेत्र स्पर्श किया गया है । वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कुछ कम आठ बटे चौदह भाग स्पर्श किये गये हैं । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कुछ कम आठ बटे चौदह भाग स्पर्श किये गये हैं । अथवा इनकी प्ररूपणा केवलियोंके समान है । >

< क्षायिकसम्यग्दृष्टियोंमें औदारिकशरीरकी संघातन व संघातन-परिशातनकृति, वैक्रियिकशरीरकी संघातन व परिशातनकृति, आहारकशरीरके तीनों पद तथा तैजस व कार्मणशरीरकी परिशातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । औदारिकशरीरकी परिशातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा ओघके समान है । वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कुछ आठ बटे चौदह भाग स्पर्श किये गये हैं । तैजस व

कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कुछ कम आठ बटे चौदह भाग स्पर्श किये गये हैं । अथवा इनकी प्ररूपणा केवलियोंके समान है । >

< वेदकसम्यग्दृष्टियोंकी प्ररूपणा अवधिज्ञानियोंके समान है । उपशमसम्यग्दृष्टि और सम्यग्मिथ्यादृष्टि जीवोंमें औदारिकशरीरकी परिशातन व संघातन-परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरकी संघातन व परिशातनकृतिवाले जीवोंका स्पर्शन क्षेत्रके समान है । >

छक्खंडागमे वेयणाखंडं

ʻकम्मइयसंघादणपरिसादणकदीहि अट्ठचोद्दसभागा देसूणा । सासणसम्मादिट्ठीसु ओरालियसंघादणकदीए खेत्तं । ओरालियदोण्णिपद-वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदीहि सत्तचोद्दसभागा देसूणा । वेउव्विय-तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीहि अट्ठ-बारह-चोद्दसभागा देसूणा । मिच्छाइट्ठीणं असंजदभंगो । सण्णीणं पुरिसवेदभंगो । असण्णीणं तिरिक्खभंगो । आहाराणं अचक्खुभंगो । अणाहाराणं ओरालियपरिसादणकदीए केवलिभंगो । तेजा - कम्मइयदोपदाणमोघो । एवं पोसणाणुगमो समत्तो ⁄

ʻकालणुगमेण दुविहो णिद्देसो ओघेण आदेसेण व । तत्थ ओघेण ओरालियसरीर-संघादणकदी केवचिरं कालादो ? णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णुक्क-स्सेण एगसमओ । ओरालिय-वेउव्वियपरिसादणकदी केवचिरं कालादो होदि ? णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । ओरालिय-संघादण-परिसादणकदी केवचिरं कालादो होदि ? णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण तिण्णि पलिदोवमाणि समऊणाणि । वेउव्वियसंघा-

< वैक्रियिक, तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिवाले जीवों द्वारा कुछ कम आठ बटे चौदह भाग, स्पर्श किये गये हैं । सासादनसम्यग्दृष्टि जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा क्षेत्रप्ररूपणाके समान है । औदारिकशरीरके दो पद तथा वैक्रियिकशरीरकी संघातन व परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कुछ कम सात बटे चौदह भाग स्पर्श किये गये हैं । वैक्रियिक, तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृति युक्त जीवों द्वारा कुछ कम आठ व कुछ कम बारह बटे चौदह भाग स्पर्श किये गये हैं । मिथ्यादृष्टि जीवोंकी प्ररूपणा असंयतोंके समान है । >

< संज्ञी जीवोंकी प्ररूपणा पुरुषवेदके समान है तथा असंज्ञी जीवोंकी प्ररूपणा तिर्यंचोंके समान है । आहारक जीवोंकी प्ररूपणा अचक्षुदर्शनी जीवोंके समान है । अनाहारक जीवोंमें औदारिकशरीरकी परिशातनकृति युक्त जीवोंकी प्ररूपणा केवलियोंके समान है । तैजस और कार्मणशरीरके दोनों पदोंकी प्ररूपणा ओघके समान है । इस प्रकार स्पर्शनानुगम समाप्त हुआ । >

< कालानुगमसे ओघ और आदेशकी अपेक्षा निर्देश दो प्रकार है । उनमेंसे ओघकी अपेक्षा औदारिकशरीरकी संघातनकृतिका कितना काल है ? नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्ट एक समय काल है । औदारिक और वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृतिका कितना काल है ? नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्ट अन्तर्मुहूर्त काल है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका कितना काल है ? नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्ट एक समय कम तीन पल्योपम काल है । >

कदिअणियोगद्दारे करणकदिपरूवणा

ʻदणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण आवलियाए असंखेज्ज-दिभागो । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण बेसमया । वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण तेत्तीसं सागरोवमाणि समऊणाणि । आहारसंघादणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण सखेज्जा समया । एगजीवं पडुच्च जहाणुक्कस्सेण एगसमओ । परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । संघादण-परिसादणकदी णाणेगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । तेजा-कम्मइयपरिसादणकदी णाणेगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । तेजा-कम्मइयपरिसादणकदी णाणेगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । संघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च अणादिओ अपज्जवसिदो अणादिओ सपज्जवसिदो ।

ʻआदेसेण गदियाणुवादेण णिरयगदीए णेरइएसु वेउव्विसंघादणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ उक्कस्सेण आवलियाए असंखेज्जदिभागो । एगजीवं पडुच्च जहण्णु-क्कस्सेण एगसमओ । संघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं

< वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कर्षसे आवलीके असंख्यातवें भाग प्रमाण काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्ट दो समय काल है । वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे एक समय कम तेतीस सागरोपम काल है । >

< आहारकशरीरकी संघातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे संख्यात समय काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्ट एक समय काल है । आहारकशरीरकी परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कर्षसे अन्तर्मुहूर्त काल है । आहारकशरीरकी संघातन-परिशानकृतिका नाना व एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कर्षसे अन्तर्मुहूर्त काल है । >

< तैजस व कार्मणशरीरकी परिशातनकृतिका नाना व एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कर्षसे अन्तर्मुहूर्त काल है । इनकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा अनादि-अपर्यवसित और अनादि-सपर्यवसित काल है । >

< आदेशकी अपेक्षा गतिमार्गणानुसार नरकगतिमें नारकियोंमें वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे आवलीके असंख्यातवें भाग प्रमाण काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कर्षसे एक समय काल है । वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल >

छक्खंडागमे वेयणाखंडं

पडुच्च जहण्णेण दसवाससहस्साणि तिसमऊणाणि, उक्कस्सेण तेत्तीसं सागरोवमाणि समऊणाणि । तेजा कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण दसवाससहस्साणि, उक्कस्सेण तेत्तीसं सागरोवमाणि । पढमाए पुढवीए वेउव्वियसंघादणकदी णारगभंगो । एवं सव्वपुढवीसु । वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण दसवाससहस्साणि तिसमऊणाणि उक्कस्सेण सागरोवमं समऊणं । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण णारगभंगो । उक्कस्सेण सागरोवमं ।

‘बिदियादि जाव सत्तमि त्ति वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एग-तिण्णि-सत्त-दस-सत्तारस-बावीससागरोवमाणि दुसमऊणाणि । उक्कस्सेण तिण्णि-सत्त-दस-सत्तारस-बावीस-तेत्तीससागरोवमाणि समऊणाणि ।’

< है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम दश हजार वर्ष और उत्कृष्ट एक समय कम तेतीस सागरोपम काल है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे दश हजार वर्ष और उत्कृष्ट तेतीस सागरोपम काल है । >

< प्रथम पृथिवीमें वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिकी कालप्ररूपणा सामान्य नारकियोंके समान है । इसी प्रकार सर्व पृथिवियोंमें समझना चाहिये । वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम दश हजार वर्ष और एक समय कम एक सागरोपम काल है । तैजस और कार्मण शरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्य कालकी प्ररूपणा नारकियोंकेसमान है । उत्कृष्ट काल एक सागरोपम है । >

< द्वितीय पृथिवीसे लेकर सातवी पृथिवी तक नारकियोंमें वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे क्रमश: दो समय कम एक सागर, दो समय कम तीन सागर, दो समय कम सात सागर, दो समय कम दस सागर, दो समय कम सत्तरह सागर और दो समय कम बाईस सागर काल है । उत्कृष्टसे एक समय कम तीन सागर, एक समय कम सात सागर, एक समय कम दस सागर, एक समय कम सत्तरह सागर, एक समय कम बाईस सागर और एक समय कम तेतीस सागर काल है । तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातन >

‘तेजा-कम्मइय-संघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एक्क-तिण्णि-सत्त-दस-सत्तारस-बावीससागरोवमाणि समयाहियाणि । उक्कस्सेण तिण्णि-सत्त-दस-सत्तारस-बावीस-तेत्तीससागरोवमाणि ।’

‘तिरिक्खगदीए तिरिक्खेसु ओरालियसंघादण-संघादणपरिसादणकदी ओरालिय-वेउव्वियपरिसादणकदी ओघो । वेउव्वियसंघादणकदी णारगभंगो । संघादण-परिसादणकदी

णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । तेजा कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं, उक्कस्सेण अणंतकालमसंखेज्जा पोग्गलपरियट्टा । पंचिंदियतिरिक्खतिगम्मि ओरालिय-वेउव्वियसंघादणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण आवलियाए असंखेज्जदिभागो । एगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण एगसमओ । ओरालियपरिसादणकदी वेउव्वियसंघादण-परिसादणकदी परिसादणकदी तिरिक्खभंगो । ओरालियसंघादण-परिसादणकदी ओघो । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एयजीवं पडुच्च जह-

< कृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे क्रमश: एक समय अधिक एक सागर, एक समय अधिक तीन सागर, एक समय अधिक सात सागर, एक समय अधिक दस सागर, एक समय अधिक सत्तरह सागर और एक समय अधिक बाईस सागर काल है । उत्कृष्टसे तीन, सात, दश, सत्तरह, बाईस और तेतीस सागरोपम काल है । >

< तिर्यंचगतिमें तिर्यंचोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृति व संघातन-परिशातनकृति तथा औदारिक व वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृतिकी कालप्ररूपणा ओघके समान है । वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिकी प्ररूपणा नारकियोंके समान है । वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे क्षुद्रभवग्रहण और उत्कृष्टसे असंख्यात पुद्गलपरिवर्तन प्रमाण अनन्तकाल है । पंचेन्द्रिय तिर्यंच आदिक तीनमें औदारिक व वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे आवलीके असंख्यातवें भाग प्रमाण काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्टसे एक समय काल है । औदारिकशरीरकी परिशातनकृति और वैक्रियिक-शरीरकी संघातन-परिशातनकृति तथा परिशातनकृतिकी प्ररूपणा तिर्यंचोंके समान है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिकी प्ररूपणा ओघके समान है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा >

ʻण्णेण खुद्दाभवग्गहणं अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण तिण्णि पलिदोवमाणि पुव्वकोडिपुधत्ते-णव्वहियाणि । पंचिंदियतिरिक्खअपज्जत्तेसु ओरालियसंघादणकदी पंचिंदियतिरिक्खभंगो । संघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं तिसमऊणं उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं समऊणं । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं ।ʼ

ʻमणुसगदीए मणुसेसु ओरालियतिण्णिपदा वेउव्वियपरिसंघादण-संघादण-परिसादणकदी तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी पचिंदियतिरिक्खभंगो । वेउव्विय-आहारसंघादणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण संखेज्जा समया । एगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण एगसमओ । आहार-तेजा-कम्मइयपरिसादणकदी आहारसंघादण-परिसादणकदी ओघो । मणुसपज्जत्त-मणुसिणीसु ओरालिय-वेउव्विय-आहारसंघादणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्स्सेण संखेज्जा समया । एगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण एगसमओ । सेसपदाणं मणुसभंगो । णवरि तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी जहण्णेण अंतो-

< जघन्यसे क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण व अन्तर्मुहूर्त काल है, तथा उत्कृष्टसे पूर्वकोटिपृथकत्वसे अधिक तीन पल्य प्रमाण काल है । >

< पंचेन्द्रिय तिर्यंच अपर्याप्तोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिकी प्ररूपणा पंचेन्द्रिय तिर्यंचोंके समान है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम क्षुद्राभवग्रहण प्रमाण काल तथा उत्कृष्टसे एक समय कम अन्तर्मुहूर्त काल है । तैजस व कार्मण शरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे क्षुद्रभवग्रहण और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल है । >

< मनुष्यगतिमें मनुष्योंमें औदारिकशरीरके तीनों पद, वैक्रियिकशरीरकी परिशातन व संघातन-परिशातनकृति तथा तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिकी कालप्ररूपणा पंचेन्द्रिय तिर्यंचोंके समान है । वैक्रियिक व आहारकशरीरकी संघातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे संख्यात समय काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे व उत्कृष्टसे संख्यात समय काल है । आहारक, तैजस और कार्मणशरीरकी परिशातनकृति तथा आहारकशरीरकी संघातन-परिशातनकृति प्ररूपणा ओघके समान है । >

< मनुष्य पर्याप्त व मनुष्यनियोंमें औदारिक, वैक्रियिक और आहारकशरीरकी संघातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे संख्यात समय काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्टसे एक समय काल है । शेष पदोंकी प्ररूपणा मनुष्योंके समान है । विशेष इतना है कि तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन -परि->

कदिअणियोगद्दारे करणकदिपरूवणा

ʿमुहुत्तं । मणुसिणीसु आहारपदं णत्थि । मणुसअपज्जत्तेसु ओरालियसंघादणकदी पंचिंदियतिरिक्खभंगो । संघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं तिसमऊणं । उक्कस्सेण पलिदोवमस्स असंखेज्जदिभागो । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं तिसमऊणं, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं समऊणं । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं, उक्कस्सेण पलिदोवमस्स असंखेज्जदिभागो । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं ⁄

ʿदेवगदीए देवा णारगभंगो । भवणवासिय-वाणवेंतर-जोदिसियदेवेसु वेउव्वियसंघादणकदीए देवभंगो । संघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण दसवाससहस्साणि दसवाससहस्साणि तिसमऊणाणि पलिदोवमट्ठमभागो तिसमऊणो । उक्कस्सेण सागरोवमं पलिदोवमं पलिदोवमं सादिरेयं । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च सग-सगजहण्णुक्कस्सट्ठिदीओ ⁄

ʿसोहम्मीसाणादि जाव सहस्सारे त्ति वेउव्वियसंघादण देवभंगो । वेउव्वियसंघादण-

< तनकृतिका जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त काल है । मनुष्यनियोंमें आहारक पद नहीं होता । >

< मनुष्य अपर्याप्तोमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिकी कालप्ररूपणा पंचेन्द्रिय तिर्यंचोंके समान है । संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम क्षुद्रभवग्रहण और उत्कृष्टसे पल्योपमका असंख्यातवां भाग काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम क्षुद्रभवग्रहण और उत्कृष्टसे एक समय कम अन्तर्मुहूर्त काल है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे क्षुद्रभवग्रहण और उत्कृष्टसे पल्योपमका असंख्यातवां भाग काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे क्षुद्रभवग्रहण और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल है । >

< देवगतिमें देवोंकी कालप्ररूपणा नारकियोंके समान है । भवनवासी, वानव्यन्तर और ज्योतिषी देवोंमें वेक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिके कालकी प्ररूपणा देवोंके समान है । संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे क्रमश: तीन समय कम दस हजार वर्ष, तीन समय कम दस हजार वर्ष और तीन समय कम पल्योपमका आठवां भाग काल है; तथा उत्कृष्टसे साधिक एक सागरोपम, साधिक एक पल्योपम और साधिक एक पल्योपम काल है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा अपनी अपनी जघन्य व उत्कृष्ट स्थिति प्रमाण काल है । >

< सौधर्म व ईशान्य कल्पसे लेकर सहस्त्रार कल्प तक वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिकी कालप्ररूपणा देवोंके समान है । वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी >

छक्खंडागमे वेयणाखंडं

‘परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण पलिदोवम-वे-सत्त-दस-चोद्दस-सोलससागरोवमाणि सादिरेयाणि । उक्कस्सेणं बे-सत्त-दस-चोद्दस-सोलस-अट्ठारससागरोवमाणि सादिरेयाणि । तेजा-कम्मइयसंघादण परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च सग-सगजहण्णुक्कस्सट्ठिदीओ ’

‘आणदादि जाव णवगेवज्जे त्ति वेउव्वियसंघादणकदी मणुसपज्जत्तभंगो । संघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अट्ठारससागरोवमाणि सादिरेयाणि, वीस-बावीस-तेवीस-चदुवीस-पणुवीस-छव्वीस-सत्तावीस-अट्ठावीस-एगुणतीस-तीस सागरोवमाणि बिसमऊणाणि । उक्कस्सेण वीस-बावीस-तेवीस-चदुवीस-पणुवीस-छव्वीस-सत्तावीस-अट्ठावीस-एगुणतीस-तीस-एक्कतीससागरो-वमाणि-समऊणाणि । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण सग-सगजहण्णुक्कस्सट्ठिदीओ वत्तव्वाओ ’

‘अणुदिसादि जाव अवराइद त्ति वेउव्वियसंघादणकदी मणुसभंगो । संघादण परि-

< अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक पल्योपम तथा दो, सात, दस, चौदह और सोलह सागरोपमसे कुछ अधिक काल है । उत्कृष्टसे दो, सात, दस, चौदह, सोलह और अठारह सागरोपमसे कुछ अधिक काल है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका

नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा अपने अपने कल्पकी जघन्य व उत्कृष्ट स्थिति प्रमाण काल है । >

< आनत कल्पसे लेकर नौ ग्रैवेयक तक वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका काल मनुष्य पर्याप्तोंके समान है । इसी शरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे आनत-प्राणत कल्पमें अठारह सागरोपमसे कुछ अधिक तथा इसके आगे क्रमशः दो समय कम वीस, दो समय कम बाईस, दो समय कम तेईस, दो समय कम चौबीस, दो समय कम पच्चीस, दो समय कम छव्वीस, दो समय कम सत्ताईस, दो समय कम अट्ठाईस, दो समय कम उनतीस और दो समय कम तीस सागरोपम काल है । उत्कृष्टसे क्रमशः एक समय कम बीस, एक समय कम बाईस, एक समय कम तेईस, एक समय कम चौबीस, एक समय कम पच्चीस, एक समय कम छब्बीस, एक समय कम सत्ताईस, एक समय कम अट्ठाईस, एक समय कम उनतीस, एक समय कम तीस और एक समय कम इकतीस सागरोपम काल है । तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा उसका काल अपनी अपनी जघन्य व उत्कृष्ट स्थिति प्रमाण कहना चाहिये । >

< अनुदिशोंसे लेकर अपराजित विमान तक वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिके कालकी प्ररूपणा मनुष्योंके समान है । वैक्रियिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका >

कदिअणियोगद्दारे करणकदिपरूवणा

‘सादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एक्कतीस-बत्तीस-सागरोवमाणि तिसमऊणाणि । उक्कस्सेण बत्तीस-तेत्तीससागरोवमाणि समऊणाणि । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पउुच्च सग-सगजहण्णुक्कस्सहिदीओ ।’

‘सव्वट्‌ठे वेउव्वियसंघादणकदी मणुसपज्जत्तभंगो । संघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण तेत्तीस सागरोवमाणि तिसमऊणाणि । उक्कस्सेण तेत्तीससागरोवमाणि समऊणाणि । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च सगट्ठिदी ।’

‘एइंदियाणं तिरिक्खभंगो । णवरि ओरालियसंघादण-परिसादणकदी एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण बावीससहस्साणि समऊणाणि । बादरेइंदियाणं एइंदियभंगो ।

णवरि तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी उक्कस्सेण अंगुलस्स असंखेज्जदिभागो असंखेज्जाओ ओसप्पिणी-उस्सप्पिणीओ । एवं बादरेइंदियपज्जत्ताणं । णवरि तेजा-कम्मइयसंघादण-

< नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे दो समय कम इकतीस व दो समय कम बत्तीस सागरोपम काल है । उत्कृष्टसे एक समय कम बत्तीस और एक समय कम तेतीस सागरोपम काल है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा उसका जघन्य व उत्कृष्ट काल अपनी अपनी जघन्य व उत्कृष्ट स्थिति प्रमाण है । >

< सर्वार्थसिध्दि विमानमें वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिकी कालप्ररूपणा मनुष्य पर्याप्तोंके समान है । संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम तेतीस सागरोपम तथा उत्कृष्टसे एक समय कम तेतीस सागरोपम काल है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है और एक जीवकी अपेक्षा अपनी स्थिति प्रमाण काल है । >

< एकेन्द्रिय जीवोंमें औदारिकादि शरीरोंकी कृतियोंके कालकी प्ररूपणा तिर्यंचोंके समान है । विशेष इतना है कि उनमें औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे एक समय कम बाईस हजार वर्ष काल है । बादर एकेन्द्रिय जीवोंमें कालकी प्ररूपणा एकेन्द्रियोंके समान है । विशेषता केवल इतनी है कि इनमें तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका एक जीवकी अपेक्षा उत्कृष्टसे अंगुलके असंख्यातवें भाग मात्र काल है, जो काल असंख्यात उत्सर्पिणी-अवसर्पिणी काल प्रमाण है । इसी प्रकार बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तोंके कहना चाहिये । विशेष इतना है कि तैजस व कार्मण- >

परिसादणकदी जहण्णेण अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण संखेज्जाणि वाससहस्साणि । बादरे-इंदियअपज्जत्ताणं पंचिंदियतिरिक्खअपज्जत्तभंगो । णवरि ओरालियसंघादणकदी ओघो । सुहुमेइंदिएसु ओरालिय-संघादणकदी तिरिक्खभंगो । संघादण-परिसादणकदी केवचिरं कालादो होदि ? णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं चदुसमऊणं, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं समऊणं । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च

सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं, उक्कस्सेण असंखेज्जा लोगा । सुहुमेइंदियपज्जत्तेसु ओरालियसंघादणकदीए तिरिक्खभंगो । संघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं चदुसमऊणं, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं समऊणं । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । सुहुमेइंदियअपज्जत्ताणं बादरेइंदियअपज्जत्तभंगो । णवरि ओरालियसंघादण-परिसादणकदी जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं चदुसमऊणं ।

ʿबेइंदिय-तेइंदिय-चउरिंदियाणं तेसिं पज्जत्ताणं ओरालियसंघादणकदीए पंचिंदियतिरिक्ख-

< शरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे संख्यात हजार वर्ष काल है । बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तोंमें कालप्ररूपणा पंचेन्द्रिय तिर्यंच अपर्याप्तोंके समान है । विशेष इतना है कि इनमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिके कालकी प्ररूपणा ओघके समान है । >

< सूक्ष्म एकेन्द्रियोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिके कालकी प्ररूपणा तिर्यंचोंके समान है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका कितना काल है ? नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे चार समय कम क्षुद्रभवग्रहण तथा उत्कृष्टसे एक समय कम अन्तर्मुहूर्त काल है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे क्षुद्रभवग्रहण और उत्कृष्टसे असंख्यात लोक प्रमाण काल है । >

< सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिकी प्ररूपणा तिर्यंचोंके समान है । संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे चार समय कम अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे एक समय कम अन्तर्मुहूर्त काल है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल है । >

< सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तोंकी प्ररूपणा बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तोंके समान है । विशेष इतना है कि औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका जघन्य काल चार समय कम क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण है । >

< द्वीन्द्रिय, त्रीन्द्रिय, चतुरिन्द्रिय, और उनके पर्याप्त जीवोंकी औदारिकशरीर सम्बन्धी संघातनकृतिकी प्ररूपणा पंचेन्द्रिय तिर्यंचोंके समान है । संघातन-परिशातन- >

ʿभंगो । संघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं अंतोमुहुत्तं तिसमऊणं, उक्कस्सेण बारसवासाणि एगुणवण्णरादिंदियाणि छम्मासा समऊणाणि । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण संखेज्जाणि वाससहस्साणि । तेसिमपज्जत्ताणं पंचिंदियतिरिक्खअपज्जत्तभंगो ⅃

ʿपंचिंदियदुगोरालियसंघादणकदीए पंचिंदियतिरिक्खभंगो । सेसपदाणमोघो । णवरि तेजा कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण सगट्ठिदी । पंचिंदियअपज्जत्ताणं पंचिंदियतिरिक्खअपज्जत्तभंगो ⅃

ʿपुढवीकाइय-आउकाइएसु ओरालियसंघादणकदीए तिरिक्खभंगो । ओरालियसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं चदुसमऊणं, उक्कस्सेण बावीसवाससहस्साणि सत्तवाससहस्साणि समऊणाणि । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं, उक्कस्सेण असंखेज्जा लोगा ⅃

< कृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय कम क्षुद्र भवग्रहण मात्र व अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे क्रमश: एक समय कम बारह वर्ष, एक समय कम उनंचास रात्रिदिन और एक समय कम छह मास काल है । तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे क्रमश: क्षुद्रभवग्रहण व अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे संख्यात हजार वर्ष काल है । उक्त अपर्याप्त जीवोंकी प्ररूपणा तिर्यंच अपर्याप्तोंके समान है । >

< पंचेन्द्रिय और पंचेन्द्रिय पर्याप्त जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिकी प्ररूपणा पंचेन्द्रिय तिर्यंचोंके समान है । शेष पदोंकी प्ररूपणा ओघके समान है । विशेष इतना है कि इनमें तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे क्रमश:

क्षुद्रभवग्रहण व अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे अपनी स्थिति प्रमाण काल है । पंचेन्द्रिय अपर्याप्तोंकी प्ररूपणा पंचेन्द्रिय तिर्यंच अपर्याप्तोंकेसमान है । >

< पृथिवीकायिक और जलकायिक जीवोंमें औदारिकशरीरसम्बन्धी संघातनकृतिकी प्ररूपणा तिर्यंचोंके समान है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे चार समय कम क्षुद्रभवग्रहण और उत्कृष्टसे क्रमशः एक समय कम बाईस हजार और एक समय कम सात हजार वर्ष काल है । तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे क्षुद्रभवग्रहण और उत्कृष्टसे असंख्यात लोक प्रमाण काल है । >

छक्खंडागमे वेयणाखंडं

‘बादरपुढवीकाइय-बादरआउकाइय-बादरवणप्फदिपत्तेयसरीरेसु ओरालियसंघादण-कदीए बादरेइंदियभंगो । संघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं तिसमऊणं, उक्कस्सेण बावीस-सत्त-दसवाससहस्साणि समऊणाणि । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं, उक्कस्सेण कम्मट्ठिदी । एवं तेसिं पज्जत्ताणं । णवरि ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं तिसमऊणं ’

‘बादरपुढवीकाइय-बादरआउकाइय-बादरतेउकाइय-बादरवाउकाइय-बादरवणप्फ-दिकाइय-बादरणिगोद-बादरवणप्फदिपत्तेगसरीरअपज्जत्ताणं बादरेइंदियअपज्जत्तभंगो । तेउकाइय-वाउकाइय-ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए वेउव्वियतिण्णिपदाणं तिरिक्खभंगो । ओरालियसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण तिण्णि रादिंदियाणि तिण्णि वाससहस्साणि समऊणाणि । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए सुहुमेइंदियभंगो ’

‘एवं बादरतेउ-वाऊणं । णवरि तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं, उक्कस्सेण कम्मट्ठिदी । एवं तेसिं पज्जत्ताणं । णवरि ओरा-

< बादर पृथिवीकायिक, बादर जलकायिक व बादर वनस्पतिकायिक प्रत्येकशरीर जीवोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिकी प्ररूपणा बादर एकेन्द्रिय जीवोंमें समान है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे

तीन समय कम क्षुद्रभवग्रहण और उत्कृष्टसे एक समय कम बाईस हजार वर्ष, एक समय कम सात हजार वर्ष और एक समय कम दस हजार वर्ष काल है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृति नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण है उत्कृष्टसे कर्मस्थिति प्रमाण है । इसी प्रकार उनके पर्याप्तोंका जानना चाहिये । इतनी विशेषता है कि औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका जघन्यसे एक जीवकी अपेक्षा तीन समय कम अन्तर्मुहूर्त प्रमाण है ।>

< बादर पृथिवीकायिक, बादर जलकायिक, बादर तेजकायिक, बादर वायुकायिक, बादर वनस्पतिकायिक, बादर निगोद और बादर वनस्पतिकायिक प्रत्येकशरीर अपर्याप्तोंकी प्ररूपणा बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तोंके समान है । तेजकायिक व वायुकायिक जीवोंमें औदारिकशरीरपरिशातनकृति संघातन तथा वैक्रियिकशरीरके तीनों पदोंकी प्ररूपणा तिर्यंचोंके समान है । औदारिकशरीरकी संघातन परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे क्रमश: एक समय कम तीन रात्रि-दिन व एक समय कम तीन हजार वर्ष काल है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिकी प्ररूपणा सूक्ष्म एकेन्द्रियोंके समान है ।>

कदिअणियोगद्दारे करणकदिपरूवणा

‘लियसंघादण-परिसादणकदीए वेउव्वियतिण्णिपदाणं एइंदियभंगो । ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए जहण्णुक्कस्सेण तेउ-वाऊणं भंगो । तेजा-कम्मइयसंघादणपरिसादणकदी एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण संखेज्जाणि वाससहस्साणि ॒।

‘बादरवणप्फदिकाइयाण बादरवणप्फदिपत्तेगभंगो । णवरि तेजा कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए बादरेइंदियभंगो । तस्सेव पज्जत्तेसु ओरालियसंघादणकदीए तिरिक्खभंगो । संघादण-परिसादणकदीए पत्तेगसरीरभंगो । एवं तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी । णिगोदजीवेसु ओरालियदोपदाणं सुहुमेइंदियभंगो । तेजा-कम्मइय जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं, उक्कस्सेण अड्ढाईज्जपोग्गलपरियट्टा । बादरणिगोदजी-वेसु ओरालियदोपदाणं बादरेइंदियअपज्जत्तभंगो । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए बादरपुढविकाइयभंगो । बादरणिगोदपज्जत्ताणं बादरेइंदियपज्जत्त-

< इसी प्रकार बादर तेजकायिक व वायुकायिक जीवोंके कहना चाहिये । विशेष इतना है कि तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे क्षुद्रभवग्रहण और उत्कृष्टसे कर्मस्थिति प्रमाण काल है । इसी प्रकार उनके पर्याप्त जीवोंके कहना चाहिये । विशेष इतना है कि इनमें औदारिकशरीरकी संघातनकृति व परिशातनकृति और वैक्रियिकशरीरके तीनों पदोंकी प्ररूपणा एकेन्द्रियोंके समान है । औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिके जघन्य व उत्कृष्ट कालकी प्ररूपणा तेज व वायुकायिक जीवोंके समान है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे संख्यात हजार वर्ष प्रमाण काल है ।>

< बादर वनस्पतिकायिक जीवोंकी प्ररूपणा बादर वनस्पतिकायिक प्रत्येकशरीर जीवोंके समान है । विशेष इतना है कि उनमें तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिकी प्ररूपणा बादर एकेन्द्रियोंके समान है । बादर वनस्पतिकायिक पर्याप्तोंमें औदारिकशरीर सम्बन्धी संघातनकृतिकी प्ररूपणा तिर्यचोंके समान है । संघातन-परिशातनकृतिकी प्ररूपणा प्रत्येकशरीर पर्याप्तोंके समान है । इसी प्रकार तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका काल क्षुद्रभवग्रहण प्रमाण है ।>

< निगोद जीवोंमें औदारिकशरीरके दो पदोंकी प्ररूपणा सूक्ष्म एकेन्द्रियोंके समान है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे क्षुद्रभवग्रहण और उत्कृष्टसे अढाई पुद्गलपरिवर्तन प्रमाण काल है ।>

< बादर निगोद व बादर निगोद अपर्याप्त जीवोंमें औदारिकशरीरके दो पदोंकी प्ररूपणा बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तोंके समान है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परि-शातनकृतिकी प्ररूपणा बादर पृथिवीकायिक जीवोंकेसमान है । बादर निगोद पर्याप्तोंकी >

छक्खंडागमे वेयणाखंडं

‘भंगो । णवरि ओरालियसंघादण-परिसादणकदी उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं समऊणं । सव्वसुहुमाणं सुहुमेइंदियभंगो ।'

‘तसदुगस्स पंचिंदियदुगभंगो । णवरि तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी एगजीवं पडुच्च जहण्णेण खुद्दाभवग्गहणं अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण बेसागरोवमसहस्साणि पुव्वकोडि-पुधत्तेणब्भहियाणि, बेसागरोवमसहस्साणि । तसअपज्जत्ताणं पंचिंदियअपज्जत्तभंगो ।

पंचमणजोगि-पंचवचिजोगीसु ओरालिय-वेउव्वियपरिसादणकदी ओरालिय-वेउव्विय-तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । आहारदोपदाणमोघो ।

ʿकायजोगीसु ओरालियसंघादण-परिसादणकदीए वेउव्वियपरिसादण-संघादण-परिसादणकदीण तिरिक्खभंगो । ओरालियसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण बावीसवाससहस्साणि समऊणाणि । वेउव्वियसंघादणकदी ओघो । आहारसंघादणकदी ओघो । सेसदोपदाणं मणजोगिभंगो । तेजा-कम्मइय-

< प्ररूपणा बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तोंके समान है । विशेष इतना है कि औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातन कृतिका उत्कृष्टसे एक समय कम अन्तर्मुहूर्त काल है । सब सूक्ष्म जीवोंकी प्ररूपणा सूक्ष्म एकेन्द्रियोंके समान है । >

< त्रस व त्रस पर्याप्तोंकी प्ररूपणा पंचेन्द्रिय व पंचेन्द्रिय पर्याप्तोंके समान है । विशेष इतना है कि तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे क्षुद्रभवग्रहण मात्र व अन्तर्मुहूर्त तथा उत्कृष्टसे क्रमश: पूर्वकोटिपृथक्त्वसे अधिक दो हजार सागरोपम व केवल दो हजार सागरोपम काल है । त्रस अपर्याप्तोंकी प्ररूपणा पंचेन्द्रिय अपर्याप्तोंके समान है । >

< पांच मनयोगी और पांच वचनयोगी जीवोंमें औदारिक, व वैक्रियिकशरीरकी परिशातनकृति तथा औदारिक, वैक्रियिक, तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातन-कृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल है । आहारकशरीरके दो पदोंकी प्ररूपणा ओघके समान है । >

< काययोगियोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृति व परिशातनकृति तथा वैक्रियिकशरीरकी परिशातन व संघातन-परिशातनकृतियोंकी प्ररूपणा तिर्यंचोंके समान है । इनमें औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृतियोंकी नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे एक समय कम बाईस हजार वर्ष काल है । वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिकी प्ररूपणा ओघके समान है । आहारकशरीरकी संघातन-कृतिकी प्ररूपणा ओघके समान है । इसके शेष दो पदोंकी प्ररूपणा मनयोगियोंके समान है । >

कदिअणियोगद्दारे करणकदिपरूवणा

ʿसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण अणंतकालमसंखेज्जा पोग्गलपरियट्टा ⌟

ʿओरालियकायजोगीसु ओरालियसंघादण-परिसादणकदी तेजा-कम्मइय-संघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण बावीससहस्साणि देसूणाणि । वेउव्वियसंघादणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण आवलियाए असंखेज्जदिभागो । एगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण एगसमओ । वेउव्वियपरिसादण-संघादणपरिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । आहारपरिसादणकदीए मणजोगिभंगो ⌟

ʿओरालियमिस्सकायजोगीसु ओरालियसंघादणकदी ओघो । ओरालियसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं समऊणं । तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ । उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं ⌟

< तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे असंख्यात पुद्‌गलपरिवर्तन प्रमाण अनन्त काल है । >

< औदारिककाययोगियोंमें औदारिकशरीरकी संघातन-परिशातनकृति तथा तैजस कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और कुछ कम बाईस हजार वर्ष काल है । वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे आवलीका असंख्यातवां भाग काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्टसे एक समय काल है । वैक्रियिकशरीरकी परिशातन व संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय कम और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल है । आहारकशरीरकी परिशातनकृतिकी प्ररूपणा मनयोगियोंकेसमान है । >

< औदारिकमिश्रकाययोगियोंमें औदारिकशरीरकी संघातनकृतिकी प्ररूपणा ओघके समान है । औदारिकशरीरकी संघातन परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे एक समय कम अन्तर्मुहूर्त काल है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल है । >

छक्खंडागमे वेयणाखंडं

‘वेउव्वियकायजोगीसु वेउव्विय-तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदीए मणजो-गिभंगो । वेउव्वियमिस्सकायजोगीसु वेउव्वियसंघादणकदीए देवभंगो । वेउव्विय-तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण अंतोमुहुत्तं, उक्कस्सेण पलिदोवमस्स असंखेज्जदिभागो । एगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं ’ ‘आहारकायजोगीसु ओरालियपरिसादणकदी आहार-तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एगसमओ, उक्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । आहारमिस्सकायजोगीसु ओरालियपरिसादणकदी आहार-तेजा-कम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा एगजीवं पडुच्च जहण्णु-क्कस्सेण अंतोमुहुत्तं । आहारसंघादणकदी ओघो ’

‘कम्मइयकायजोगीसु ओरालियपरिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च जहण्णेण तिण्णि समया, उक्कस्सेण संखेज्जा समया । एगजीवं पडुच्च जहण्णुक्कस्सेण तिण्णि समया । तेजाकम्मइयसंघादण-परिसादणकदी णाणाजीवं पडुच्च सव्वध्दा । एगजीवं पडुच्च जहण्णेण एग-

< वैक्रियिककाययोगियोंमें वैक्रियिक, तैजस और कार्मणशरीर संबंधी संघातन-परिशातनकृतिकी प्ररूपणा मनयोगियोंके समान है । >

< वैक्रियिकमिश्रकाययोगियोंमें वैक्रियिकशरीरकी संघातनकृतिकी प्ररूपणा देवोंके समान है । वैक्रियिक, तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे अन्तर्मुहूर्त और उत्कृष्टसे पल्योपमके असंख्यातवें भाग प्रमाण काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्ट अन्तर्मुहूर्त काल है । >

< आहारककाययोगियोंमें औदारिकशरीरकी परिशातनकृति तथा आहारक, तैजस और कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा और एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय कम और उत्कृष्टसे अन्तर्मुहूर्त काल है । आहारकमिश्रकाययोगियोंमें

औदारिकशरीरकी परिशातनकृति तथा आहारक, तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा काल सर्वदा है और एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्ट अन्तर्मुहूर्त काल है । आहारकशरीरकी संघातनकृतिकी प्ररूपणा ओघकेसमान है । >

< कार्मणकाययोगियोंमें औदारिकशरीरकी परिशातनकृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्यसे तीन समय और उत्कृष्टसे संख्यात समय काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्टसे तीन समय काल है । तैजस व कार्मणशरीरकी संघातन-परिशातन-कृतिका नाना जीवोंकी अपेक्षा सर्व काल है । एक जीवकी अपेक्षा जघन्यसे एक समय और >